8. पहनावे का समाजिक इतिहास

प्रश्न : अठारहवी शताब्दी में पोशाक शैलियों और सामग्री में आए बदलावों के क्या कारण थे ?

उत्तर : 18 वीं शताब्दी में पोशाक शैलियों तथा उनमे प्रयेगहोने वाले सामग्री में निम्नलिखित कारणोंसे परिवर्तन आई

1. फ्रांसीसी क्रांति ने स्म्प्चुँरी कानूनों को समाप्त कर दिया

2. राजतन्त्र तथा शासक वर्ग के विशेषाधिकार समाप्त हो गए

3. फ्रांस के रंग लाल नीला तथा सफेद देशभक्ति के प्रतिक बन गए अर्थात इन रंगों के वस्त्र लोकप्रिय होने लगे

4. समानता को महत्व देने के लिए लोग साधारण वस्त्र पहनने लगे ।

5. लोगो की वस्त्रो के प्रति रूचिया भिन्न- भिन्न थी ।

6. स्त्रियों में सोन्दर्य की भावना ने वस्त्रो में बदलाव ला दिया ।

7. लोगो की आर्थिक दशा ने भी वस्त्रो में अंतर ला दिया ।

प्रश्न : फ्रांस के सम्प्चुअरी कानून क्या थे ?

उत्तर : लगभग 1294 से लेकर 1789 की फ्रांसिसी क्रांति तक फ्रांस के लोगो को सम्चुरियन कानूनों का पालन करना पड़ता था । इन कानूनों द्वारा समाज के निम्न वर्ग के व्यवहार को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया । इनके अनुसार -

1. निम्न वर्ग के लोग कुछ विशेष प्रकार के वस्त्रो तथा विशेष प्रकार के भोजन का प्रयोग नहीं कर सकते थे ।

2. उनके लिए मादक द्रव्यों के प्रयोग की मनाही थी ।

3. उनके लिए कुछ विशेष क्षेत्रो में शिकार करना भी वर्जित था ।

वास्तव में ये कानों लोगो के सामाजिक स्तर को दर्शाने के लिए बनाये गए थे । उदाहरण के लिये अरमाइन फर, रेशम, मखमल, जरी जैसी कीमती वस्तुओं का प्रयोग केवल राजवंश के लोग ही कर सकते थे ।अन्य वर्गो के लोग इस सामग्री का प्रयोग नहीं कर सकते थे ।

प्रश्न : यूरोपीय पोशाक संहिंता और भारतीय पोशाक संहिता के बीच कोई दो फर्क बताइए ?

उत्तर : 1. यूरोपीय ड्रेस कोड (पोशाक संहिंता) में तंग वस्त्रो को महत्व दिया जाता था ताकि चुस्ती बनी रहे । इसके विपरीत भारतीय ड्रेस में ढीले- ढाले वस्त्रो का अधिक महत्व था । उदाहरण के लिए यूरोपीय लोग कसी हुई पतलून पहनते थे । परंतु भारतीय धातु अथवा पायजामा पहनते थे ।

2. यूरोपीय देश कोड में स्त्रियों के वस्त्र ऐसे होते थे जो उनकी शारीरक बनावट को आकर्षक बनाये । उदाहरण के लिए इंगलैंड की महिलाये अपनी कमर को सीधा रखने तथा पतला बनाने के लिए कमर पर एक तंग पेटी पहनती थी । वे एक तंग जांगीऐ का प्रयोग भी करती थी । इसके विपरीत भारतीय महिलाये रंग - बिरंगे वस्त्र पहनकर अपनी सुन्दरता बढाती थी । वे प्राय: रंगदार प्रयोग करती थी ।

प्रश्न : उन्नीसवी सदी के भारत में

www.atpeducation.com